जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा (म0प्र0)

सफलता की कहानी

–:: पर्यावरण को संवारने परतापुर ग्राम पंचायत की पहल ::–

छिन्दवाड़ा, दिनांक 23 मई 2008

क्षेत्र में हरियाली हो ताकि अच्छा पर्यावरण बना रहे । यह मंशा हर किसी व्यक्ति की होती है और वह मंशा पूरी हो जाए तो फिर बात ही कुछ और है । ऐसी ही कल्पना की थी सौंसर विकासखण्ड़ की ग्राम पंचायत परतापुर के लोगों ने । गांव के आसपास जमीन तो थी लेकिन हरियाली का नामों निशान नहीं था । गांव का हर व्यक्ति चाहता था कि उसके क्षेत्र में हरियाली हो जाए तो अच्छा होगा । ग्रामीणों की इच्छा को स्वीकार करते हुए ग्राम पंचायत ने यहां पौधरोपण का प्रस्ताव लिया और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना म.प्र. के तहत पौधरोपण भी कर डाला । पौधरोपण कार्य से पंचायत के जॉबकार्डधारी परिवारों के सदस्यों को रोजगार तो मिला ही क्षेत्र हरा–भरा नजर आए ऐसी मंशा भी पूरी हो गई।

सौंसर विकासखण्ड से 6 किलोमीटर दूरी पर बसा है ग्राम परतापुर, जहां पिछड़ा वर्ग के लोग निवास करते हैं। ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन कृषि है। पंचायत में यूं तो कई निर्माण कार्य हुए लेकिन पेड़ पौधों की कमी को देखते हुए पौधरोपण के कार्य को प्राथमिकता दी गई ताकि क्षेत्र हरा–भरा हो सके । पंचायत ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया और कार्य शुरू कर दिया गया । ग्राम पंचायत सरपंच ने जनपद पंचायत सीईओ और उपयंत्री के मार्गदर्शन में अच्छा कार्य कराया । पौधरोपण कार्य में पंचायत के कई मजदूरों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए । पहले से पौधरोपण की मंशा होने के कारण मजदूरों ने जी लगाकर कार्य किया । ग्रामीणों ने बताया कि फिलहाल तो पौधरोपण का महत्व समझ नहीं आएगा लेकिन जब ये पौधे वृक्ष का रूप लेंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को इसका फायदा होगा । पेड़ों की छाया में उनका समय गुजरेगा साथ ही प्र्यावरण भी बेहतर होगा । पंचायत द्वारा पौधरोपण मे लगाए गए पौधों को नियमित पानी देकर विशाल वृक्ष बनाने का संकल्प भी लिया गया है । पौधों को नियमित पानी दिया जा रहा है।

—::—